

रविवार 19 मई, 2019

विषय — नश्वर और अमर

स्वर्ण पाठ: I कुरिन्थियों 15 : 50

“हे भाइयों, मैं यह कहता हूँ कि मांस और लोहू परमेश्वर के राज्य के अधिकारी नहीं हो सकते, और न विनाश अविनाशी का अधिकारी हो सकता है।”

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता 4 : 1-6

- 1 हे मेरे धर्ममय परमेश्वर, जब मैं पुकारूँ तब तू मुझे उत्तर दे; जब मैं सकेती में पड़ा तब तू ने मुझे विस्तार दिया। मुझ पर अनुग्रह कर और मेरी प्रार्थना सुन ले ॥
- 2 हे मनुष्यों के पुत्रों, कब तक मेरी महिमा के बदले अनादर होता रहेगा? तुम कब तक व्यर्थ बातों से प्रीति रखोगे और झूठी युक्ति की खोज में रहोगे?
- 3 यह जान रखो कि यहोवा ने भक्त को अपने लिये अलग कर रखा है; जब मैं यहोवा को पुकारूँगा तब वह सुन लेगा ॥
- 4 कांपते रहो और पाप मत करो; अपने अपने बिछौने पर मन ही मन सोचो और चुपचाप रहो।
- 5 धर्म के बलिदान चढ़ाओ, और यहोवा पर भरोसा रखो ॥
- 6 बहुत से हैं जो कहते हैं, कि कौन हम को कुछ भलाई दिखाएगा? हे यहोवा तू अपने मुख का प्रकाश हम पर चमका!

पाठ उपदेश

बाइबल

1. उत्पत्ति 1 : 26 (से 4th), 26 (और हर पर), 27 (से,)

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड किरिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिपचरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने किरिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

- 26 फिर परमेश्वर ने कहा, हम मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार अपनी समानता में बनाएं; और वे समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगने वाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार रखें।
- 27 तब परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप के अनुसार उत्पन्न किया,

2. गलातियों 3 : 26 (तु)

- 26 ... तुम सब उस विश्वास करने के द्वारा जो मसीह यीशु पर है, परमेश्वर की सन्तान हो।

3. यूहन्ना 3: 16-18 (सं:)

- 16 क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।
- 17 परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा, कि जगत पर दंड की आज्ञा दे परन्तु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए।
- 18 जो उस पर विश्वास करता है, उस पर दंड की आज्ञा नहीं होती,

4. यूहन्ना 8 : 1-11

- 1 परन्तु यीशु जैतून के पहाड़ पर गया।
- 2 और भोर को फिर मन्दिर में आया, और सब लोग उसके पास आए; और वह बैठकर उन्हें उपदेश देने लगा।
- 3 तब शास्त्री और फरीसी एक स्त्री को लाए, जो व्यभिचार में पकड़ी गई थी, और उस को बीच में खड़ी करके यीशु से कहा।
- 4 हे गुरु, यह स्त्री व्यभिचार करते ही पकड़ी गई है।
- 5 व्यवस्था में मूसा ने हमें आज्ञा दी है कि ऐसी स्त्रियों को पत्थरवाह करें: सो तू इस स्त्री के विषय में क्या कहता है?
- 6 उन्होंने उस को परखने के लिये यह बात कही ताकि उस पर दोष लगाने के लिये कोई बात पाएं, परन्तु यीशु झुककर उंगली से भूमि पर लिखने लगा।
- 7 जब वे उस से पूछते रहे, तो उस ने सीधे होकर उन से कहा, कि तुम में जो निष्पाप हो, वही पहिले उस को पत्थर मारे।
- 8 और फिर झुककर भूमि पर उंगली से लिखने लगा।
- 9 परन्तु वे यह सुनकर बड़ों से लेकर छोटों तक एक एक करके निकल गए, और यीशु अकेला रह गया, और स्त्री वहीं बीच में खड़ी रह गई।

- 10 यीशु ने सीधे होकर उस से कहा, हे नारी, वे कहां गए? क्या किसी ने तुझ पर दंड की आज्ञा न दी।
11 उस ने कहा, हे प्रभु, किसी ने नहीं: यीशु ने कहा, मैं भी तुझ पर दंड की आज्ञा नहीं देता; जा, और फिर पाप न करना॥

5. यूहन्ना 11 : 1, 3, 17, 21-26, 39-44

- 1 मरियम और उस की बहिन मारथा के गांव बैतनिय्याह का लाजर नाम एक मनुष्य बीमार था।
3 सो उस की बहिनों ने उसे कहला भेजा, कि हे प्रभु, देख, जिस से तू प्रीति रखता है, वह बीमार है।
17 सो यीशु को आकर यह मालूम हुआ कि उसे कबर में रखे चार दिन हो चुके हैं।
21 मारथा ने यीशु से कहा, हे प्रभु, यदि तू यहां होता, तो मेरा भाई कदापि न मरता।
22 और अब भी मैं जानती हूं, कि जो कुछ तू परमेश्वर से मांगेगा, परमेश्वर तुझे देगा।
23 यीशु ने उस से कहा, तेरा भाई जी उठेगा।
24 मारथा ने उस से कहा, मैं जानती हूं, कि अन्तिम दिन में पुनरुत्थान के समय वह जी उठेगा।
25 यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूं, जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा।
26 और जो कोई जीवता है, और मुझ पर विश्वास करता है, वह अनन्तकाल तक न मरेगा, क्या तू इस बात पर विश्वास करती है?
39 यीशु ने कहा; पत्थर को उठाओ: उस मरे हुए की बहिन मारथा उस से कहने लगी, हे प्रभु, उस में से अब तो दुर्गंध आती है क्योंकि उसे मरे चार दिन हो गए।
40 यीशु ने उस से कहा, क्या मैं ने तुझ से न कहा था कि यदि तू विश्वास करेगी, तो परमेश्वर की महिमा को देखेगी।
41 तब उन्होंने उस पत्थर को हटाया, फिर यीशु ने आंखें उठाकर कहा, हे पिता, मैं तेरा धन्यवाद करता हूं कि तू ने मेरी सुन ली है।
42 और मैं जानता था, कि तू सदा मेरी सुनता है, परन्तु जो भीड़ आस पास खड़ी है, उन के कारण मैं ने यह कहा, जिस से कि वे विश्वास करें, कि तू ने मुझे भेजा है।
43 यह कहकर उस ने बड़े शब्द से पुकारा, कि हे लाजर, निकल आ।
44 जो मर गया था, वह कफन से हाथ पांव बन्धे हुए निकल आया और उसका मुंह अंगोछे से लिपटा हुआ तें यीशु ने उन से कहा, उसे खोलकर जाने दो॥

6. I कुरिन्थियों 15 : 53-57

- 53 क्योंकि अवश्य है, कि यह नाशमान देह अविनाश को पहिन ले, और यह मरनहार देह अमरता को पहिन ले।
54 और जब यह नाशमान अविनाश को पहिन लेगा, और यह मरनहार अमरता को पहिन लेगा, तक वह वचन जो लिखा है, पूरा हो जाएगा, कि जय ने मृत्यु को निगल लिया।
55 हे मृत्यु तेरी जय कहां रही?
56 हे मृत्यु तेरा डंक कहां रहा? मृत्यु का डंक पाप है; और पाप का बल व्यवस्था है।

57 परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है।

7. I कुरिन्थियों 6 : 9-11

9 क्या तुम नहीं जानते, कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे? धोखा न खाओ, न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी।
10 न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देने वाले, न अन्धे करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे।
11 और तुम में से कितने ऐसे ही थे, परन्तु तुम प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए, और पवित्र हुए और धर्मी ठहरे॥

8. I तीमथियुस 1 : 17

17 अब सनातन राजा अर्थात् अविनाशी अनदेखे अद्वैत परमेश्वर का आदर और महिमा युगानुयुग होती रहे।
आमीन॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 246 : 5-6

सही और अमर उनके निर्माता की शाश्वत समानता है।

2. 209 : 1-4

मनुष्य, अमर होने के नाते, एक आदर्श अविनाशी जीवन है यह नश्वर विश्वास है जो शरीर को अज्ञानता, भय के रूप में अनुपातहीन और रोगग्रस्त बनाता है या मानव नश्वरों को नियंत्रित करेगा।

3. 492 : 25-28

ईश्वर मन है, और ईश्वर अनंत है; इसलिए सब मन है। इस कथन पर विज्ञान के होने का पता लगाया जाता है और इस विज्ञान का सिद्धांत ईश्वरीय है, जिसमें सामंजस्य और अमरता है।

4. 247 : 15-18

अमर पुरुष और महिला आध्यात्मिक भावना के उदाहरण हैं, पूर्ण मन से खींचे गए और प्रेम के उन उच्च अवधारणाओं को दर्शाते हैं जो अपनी भौतिक भावना को पार करते हैं।

5. 295: 5-15

भगवान मनुष्य सहित ब्रह्मांड का निर्माण और संचालन करता है। ब्रह्मांड आध्यात्मिक विचारों से भरा है, जिसे वह विकसित करता है, और वे मन के आज्ञाकारी हैं जो उन्हें बनाता है। नश्वर मन आध्यात्मिक को भौतिक में बदल देगा, और फिर इस त्रुटि की नश्वरता से बचने के लिए मनुष्य के मूल स्व को पुनर्प्राप्त करेगा। ईश्वर की स्वयं की छवि में बनाए गए नश्वर अमर की तरह नहीं हैं; लेकिन अनंत आत्मा सभी होने के नाते, नश्वर चेतना वैज्ञानिक तथ्य के लिए अंतिम पैदावार होगी और गायब हो जाएगी, और सही, और हमेशा के लिए होने का वास्तविक अर्थ प्रकट होगा।

6. 538: 17-22

उत्पत्ति के एलोहिस्टिक परिचय में पाप, बीमारी और मृत्यु का कोई रिकॉर्ड नहीं है, जिसमें भगवान आकाश, पृथ्वी और मनुष्य का निर्माण करते हैं। जब तक वह अखाड़े में प्रवेश करने के सत्य का खंडन नहीं करता, तब तक बुराई का कोई इतिहास नहीं है, और बुराई को केवल वास्तविक और शाश्वत के विपरीत विरोधाभासी के रूप में देखा जाता है।

7. 476: 1 (केवल), 9-20

नश्वर अमर के नकली हैं।

ईश्वर मनुष्य का सिद्धांत है, और मनुष्य ईश्वर का विचार है। इसलिए मनुष्य न तो नश्वर है और न ही भौतिक। नश्वर गायब हो जाएंगे, और अमर होंगे, या भगवान की संतान, मनुष्य के एकमात्र और अनन्त सत्य के रूप में दिखाई देंगे। मुर्दा भगवान के बच्चे नहीं हैं। उनके पास कभी भी पूर्ण राज्य नहीं था, जिसे बाद में फिर से हासिल किया जा सकता है। वे नश्वर इतिहास की शुरुआत से थे, "पाप में कल्पना की और अधर्म में माता के गर्भ में लाया।" मृत्यु दर अंततः अमरता में निगल जाती है। पाप, बीमारी, और मृत्यु को उन तथ्यों को जगह देनी होगी जो अमर आदमी के हैं।

8. 426: 16-22

जब यह जान लिया जाता है कि बीमारी जीवन को नष्ट नहीं कर सकती है, और मृत्यु से पाप या बीमारी से मृत्यु को बचाया नहीं जाता है, तो यह समझ जीवन के नएपन में बदल जाएगी। यह या तो मरने या कब्र से डरने की इच्छा में महारत हासिल करेगा, और इस तरह नश्वर अस्तित्व को नष्ट करने वाले महान भय को नष्ट कर देगा।

9. 428: 22-29

महान आध्यात्मिक तथ्य को सामने लाना चाहिए कि मनुष्य है, पूर्ण और अमर नहीं। हमें हमेशा अस्तित्व की चेतना को धारण करना चाहिए, और जल्द ही या बाद में, मसीह और ईसाई विज्ञान के माध्यम से, हमें पाप और मृत्यु पर नियंत्रण रखना चाहिए। मनुष्य की अमरता के प्रमाण अधिक स्पष्ट हो जाएंगे, क्योंकि भौतिक विश्वासों को छोड़ दिया जाता है और होने के अमर तथ्यों को स्वीकार किया जाता है।

10. 494: 19-29

कारण, सही ढंग से निर्देशित, कॉर्पोरल सेंस की त्रुटियों को ठीक करने का कार्य करता है; लेकिन पाप, बीमारी और मृत्यु वास्तविक प्रतीत होगी (भले ही सोते हुए सपने के अनुभव वास्तविक लगते हैं) जब तक कि मनुष्य के शाश्वत सद्भाव का विज्ञान वैज्ञानिक की अखंड वास्तविकता के साथ उनके भ्रम को नहीं तोड़ता।

आप इन दोनों सिद्धांतों में से कौन सा आदमी स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? एक नश्वर गवाही है, जो बदल रहा है, मर रहा है, असत्य है। दूसरा शाश्वत और वास्तविक साक्ष्य है, सत्य का संकेत, इसकी गोद अमर फलों से ऊँची है।

11. 444: 27-30

ईश्वरीय विज्ञान में अमर या भगवान के बच्चे, एक सामंजस्यपूर्ण परिवार हैं; लेकिन भौतिक अर्थों में नश्वर, या "पुरुषों के बच्चे", असभ्य और झूठे भाई हैं।

12. 491: 7-16

मटेरियल मैन अनैच्छिक और स्वैच्छिक त्रुटि से बना है, एक नकारात्मक अधिकार का और एक सकारात्मक गलत का, बाद वाला खुद को सही कहता है। मनुष्य का आध्यात्मिक व्यक्तित्व कभी गलत नहीं होता। यह मनुष्य के निर्माता की समानता है। पदार्थ नश्वर को वास्तविक उत्पत्ति और होने के तथ्यों से नहीं जोड़ सकता, जिसमें सभी को समाप्त होना चाहिए। यह आत्मा के वर्चस्व को स्वीकार करने से ही है, जो पदार्थ के दावों को खारिज करता है, कि नश्वरता मृत्यु दर को दूर कर सकती है और उस अदम्य आध्यात्मिक लिंक को खोज सकती है जो मनुष्य को दैवीय समानता में स्थापित करता है, जो अपने निर्माता से अविभाज्य है।

13. 493: 6-8

भौतिक ज्ञान के सभी प्रमाण और भौतिक ज्ञान से प्राप्त सभी ज्ञान विज्ञान को सभी चीजों के अमर सत्य तक पहुंचाना चाहिए।

14. 495: 14-24

जब बीमारी या पाप का भ्रम आपको झकझोरता है, ईश्वर और उसके विचार के प्रति दृढ़ रहना अपने विचार में पालन करने के लिए उसकी समानता के अलावा कुछ भी अनुमति न दें। न तो डर और न ही संदेह को अपनी स्पष्ट भावना और शांत विश्वास का पालन करें, कि जीवन के सामंजस्यपूर्ण जीवन की मान्यता - जैसा कि जीवन है - किसी भी दर्दनाक भावना, या विश्वास को नष्ट कर सकता है, जो जीवन नहीं है। किरिश्चियन साइंस, कॉरपोरल सेंस के बजाय अपनी होने की समझ का समर्थन करें, और यह समझ सच्चाई के साथ त्रुटि को दबा देगी, मृत्यु दर को अमरता से बदल देगी, और सद्भाव के साथ चुप्पी को दूर करेगी।

15. 75: 13-16

यीशु ने लाजर को इस समझ के साथ बहाल किया कि लाजर की मृत्यु कभी नहीं हुई थी, न कि इस बात से कि उसका शरीर मर गया था और फिर दोबारा जीवित हो गया था।

16. 496: 20-27

"मृत्यु का डंक पाप है; और पाप का बल व्यवस्था है," — नश्वर विश्वास के कानून, अमर जीवन के तथ्यों के साथ युद्ध पर, यहां तक कि आध्यात्मिक कानून जो कब्र को कहते हैं, "तुम्हारी जीत कहाँ है?" परंतु "जब यह नाशमान अविनाश को पहिन लेगा, और यह मरनहार अमरता को पहिन लेगा, तक वह वचन जो लिखा है, पूरा हो जाएगा, कि जय ने मृत्यु को निगल लिया।"

17. 434: 31 (परमेश्वर)-32

परमेश्वर ने मनुष्य को केवल आत्मा के लिए अमर और उत्तरदायी बनाया।

18. 249: 8-10

आइए हम आनन्दित हों कि हम दैवीय शक्तियों के अधीन हैं। ऐसा होने का सही विज्ञान है। होने का सही विज्ञान ऐसा है।

19. 492: 7 (केवल)

पवित्र होना, समरसता, अमरता है।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक किरिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यदाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6